Printed Pages – 4

I-1089

M.A. (Previous) Examination, 2020

HINDI

(प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

Minimum Pass Marks : 36

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Q. 1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : **3×10=30**

(क) सैसव-जौवन दुहु मिलि गेल, स्रवनक पथ दुहु लोचन लेल।
वचनक चातुरि लहु-लहु हास, धरनिये चाँद कसल परगास।
मुकुर लई अब करई सिंगार, सखि पूछइ कइर सुरत विहार।
निरजन उरज हेरइ कत बेरि, इंसइ से अपन पयोधर हेरि।
पहिल बदरि सम पुन नवरंग, दिन दिन अनँग अगोरल अंग।
माधव पेखल अपुरब बाला, सैसव यौवन दुहुँ एक भेला।
विद्यापति कह तुहु अगेअनि, दुहुँ एक जोग इह के कह सयानि।

(ख) राम नाम कै पटंतरै, देबे को कछु नांहि।
क्या ले गुरु संतोषिए, हौंस रही मन मांहि।।
सतगुरु साँचा सूरिवाँ, सबद जु बाह्या एक।
लागत ही मैं मिल गया, पङ्या कलेजे छेक।।

(ग) अधर सुरंग अमी-रस भरे। बिंब सुरंग लाजि बन फरे।
फूल दुपहरी जानौं राता। फूल झरंहि ज्यों ज्यों कह बाता।।
हीरा लेइ सो विद्रुम धारा। बिहँसत जगत होइ उजियारा।
भये मँजीठ पानन्ह रंग लागे। कुसुम-रंग थिर रहै न आगे।।
अस कै अधर अमी भरि राखे। अबंहि अछूत, न काहू चाखे।।
मुख तंबोल-रंग धारहि रसा। केहि मुख जोग सो अमृत बसा ?
राता जगत देखि रंगराती। रुहिर भरे, आछंहि बिहंसाती।।

(घ) जोग ठगौरी ब्रज न बिकैहैं।
यह ब्योपार तिहारो उधो। ऐसोई फिरि जैहैं।।
जापै लै आए हौ मधुकर ताके उर न समैहैं।।
दाख छाँड़ि कै कटुक निंबौरी को अपने मुख खैहैं ?
मूरी के पातन के केना को मुक्ताहल दैहैं।
सूरदास प्रभु गुनहि छाँड़ि कै को निर्गुन निरबैहैं ?

(ङ) कहेउ राम बियोग तव सीता। मो कहुँ सकल भए बिपरीता।।
नव तरु किसलय मनहुँ कृसानू। काल निसा सम निसि ससि भानू।।
कुबलय बिपिन कुंतबन सरिसा। बारिद तपत तेल जनु बरिसा।।
जे हित रहे करत तेइ पीरा। उरग स्वास सम त्रिबिध समीरा।।
कहेहू तें कछु दुख घटि होई। काहि कहौं यह जान न कोई।।
तत्व प्रेम कर मम अरु तोरा। जानत प्रिया एकु मनु मोरा।।

(च) जोग जुगति सिखए सब, मनौ महामुनि मैन।
चाहत पिय अद्वैतता, कानन सेवत नैन।
अजौं तरौना ही रह्यौ श्रुति सेवत इक अंग।
नाक-बास बेसरि लह्यौ, बसि मुकुतन के संग।

Q. 2. विद्यापति भक्त कवि हैं अथवा श्रृंगारी ? तर्क पुष्ट उत्तर दीजिए। **15**

अथवा

'संत मत के समस्त कवियों में कबीर सबसे अधिक प्रतिभाशाली एवं मौलिक थे।'' कथन की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

Q. 3. ''पद्मावत का महाकाव्यत्व'' विषय पर समीक्षात्मक लेख लिखिए। **15**

अथवा

तुलसी की भक्ति की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

Q. 4. निम्नांकित प्रश्नों में से किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। **4×5=20**

(i) अमीर खुसरो की काव्य भाषा
(ii) कृष्ण भक्ति में नंददास का स्थान
(iii) रहीम के दोहों का जनमानस पर प्रभाव
(iv) भूषण का काव्य
(v) केशव की कविताई
(vi) रीतिमुक्त काव्य की विशेषताएँ

Q. 5. निम्नांकित प्रश्नों में से किन्हीं बीस अतिलघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **20×1=20**

(i) राजा शिवसिंह और लखिमा देवी किस कवि के आश्रयदाता थे ?

(ii) 'पुष्टिमार्ग का जहाज' किस कवि को कहा गया है ?
(iii) 'पद्मावत' की रचना किस भाषा में हुई है ?
(iv) 'प्रेमवाटिका' के रचनाकार का नाम लिखिए।
(v) विद्यापति की काव्य-भाषा क्या है ?
(vi) 'रामचंद्रिका' के रचनाकार कौन हैं ?
(vii) 'तुलसी : आधुनिक वातायन से' के लेखक का नाम लिखिए।
(viii) 'सुजानसागर' किस कवि की रचना है ?
(ix) 'पद्मावत' में सुवा किसका प्रतीक है ?
(x) कबीर के गुरु कौन थे ?
(xi) कीर्तिपताका किस कवि की रचना है ?
(xii) नागमती किस देश की रानी थी ?
(xiii) रहीम का पूरा नाम लिखिए।
(xiv) जायसी किस सम्प्रदाय के कवि हैं ?
(xv) तुलसीदास के माता-पिता का नाम लिखिए।
(xvi) रसखान रामभक्त थे अथवा कृष्ण भक्त ?
(xvii) रामचरित मानस में शिव ने किसे कथा सुनायी है ?
(xviii) तुलसीदास का जन्म-स्थान कहाँ माना जाता है ?
(xix) किस कवि की भाषा 'सधुक्कड़ी' है ?
(xx) 'बिहारी रत्नाकार' के संपादक का नाम लिखिए।
(xxi) रामचरित मानस में किष्किन्धाकाण्ड के बाद कौन सा काण्ड है ? नाम लिखिए।
(xxii) 'भक्ति काव्य का समाजशास्त्र' के लेखक का नाम लिखिए।